सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम एम.ए. इतिहास

प्रथम वर्ष

(सत्र 2016-17 में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पता:
दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)
फोन/फैक्स : 07152-247146 वेबसाइट : WWW.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय)
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

डॉ. परिमल प्रियदर्शी
संयोजक एम.ए. इतिहास

प्रिय विद्यार्थी,

एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य में आपको पाँच प्रश्नों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने हैं। **प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल पाँच प्रश्न होंगे। इन प्रश्नों का उत्तर लगभग 1500 शब्दों में दिया जाना है। सभी प्रश्न किए जाने हैं। सत्रीय कार्यों को आपको अपने अध्ययन केंद्र में जमा करना है। सत्रीय कार्य की एक प्रतिलिपि अपने पास अवश्य रखें।**

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :-

सत्रीय कार्य का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को उपलब्ध करायी गई पाठ्य-सामग्री को विद्यार्थी के हस्तलेख में पुन: प्राप्त करना नहीं है अपितु विद्यार्थी की अध्ययन-प्रवृत्ति में निरंतरता बनाए रखने के साथ ही उसके द्वारा अब तक किए गए अध्ययन का मूल्यांकन करना है। विद्यार्थी ने पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों तथा संबंधित पाठ्यसामग्री को कितना पढ़ा-समझा है, उसने विवेचन-विश्लेषण करने की कितनी क्षमता अर्जित की है तथा संबंधित पाठ्य के विषय में उसका अपना दृष्टिकोण कितना विकसित हुआ है? आदि उद्देश्यों को दृष्टि में रखने के साथ-साथ विद्यार्थी की लेखन-क्षमता का मूल्यांकन करना भी सत्रीय कार्य का लक्ष्य है। विद्यार्थियों को सत्रीय कार्यों में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखते समय उपर्युक्त उद्देश्यों को स्मरण रखना चाहिए तथा प्राप्त पाठ्य-सामग्री का पुनर्प्रस्तुतीकरण न करते हुए अध्ययन उपरांत अपनी विकसित विचार-क्षमता के आधार पर ही उत्तर लिखने का प्रयास करना चाहिए। पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थी का अध्ययन, उसकी आलोचनात्मक दृष्टि, पाठ्य के विषय में उसकी अपनी समझ आदि के साथ ही भाषा एवं वर्तनी संबंधी ज्ञानकी अपेक्षा की जाती है। उपर्युक्त अपेक्षाओं को दृष्टि में रखकर ही विद्यार्थी द्वारा प्रेषित सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन किया जाएगा

सत्रीय कार्य लेखन :-

विद्यार्थी सत्रीय कार्य लिखने से पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें :-

01. योजना :- प्रथमत: सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों को पढ़कर उनका आशय समझ लीजिए। तदनंतर संबंधित पाठ्य-सामग्री को ध्यानपूर्वक पढ़िए। पूछे गए प्रश्नों से संबंधित इकाइयों को मनोयोग से पढ़िए। निर्धारित पाठ्य-पुस्तकों का गहन अध्ययन कीजिए, साथ ही, सुझायी गई सहायक पुस्तकों को भी रुचिपूर्वक पढ़िए।

पढ़ते समय प्रत्येक उत्तर से संबंधितमहत्वपूर्ण तथ्य चिह्नित कर लीजिए और अंतिम प्रति तैयार करने से पूर्व उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लीजिए।

02. संगठन कौशल :- अपने उत्तर को अंतिम रूप देने से पूर्व एक कच्ची रूपरेखा बना लीजिए, श्रेष्ठतम तथ्य संकलित करने का प्रयास कीजिए और उसके समुचित विवेचन-विश्लेषण हेतु चिन्तन कीजिए। उत्तर लिखते समय प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दीजिए। कृपया ध्यान रखिए कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर तर्कसंगत हों, वाक्य-विन्यास और वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ न हों, अनुच्छेदों में परस्पर तारतम्यता हो तथा भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त संयोजन किया गया हो।

03. सत्रीय कार्य लेखन :- पूछे गए प्रश्नों की अंतिम स्वच्छ, साफ़-सुथरी प्रति स्पष्ट, पठनीय अक्षरों में और बिना काट-छाँट किए अपनी हस्तलिपि में लिखें। आवश्यकता प्रतीत होने पर मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित किया जा सकता है। उत्तर-पुस्तिका में केवल नीले अथवा काले रंग की स्याही वाले पेन अथवा बाल पेन का ही प्रयोग कीजिए। उत्तर-पुस्तिका में प्रश्नों के उत्तर पूछे गए प्रश्नों के क्रमानुसार ही लिखिए। किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना प्रारम्भ करने से पूर्व संबंधित प्रश्नक्रमांक अवश्य लिखिए। प्रत्येक नए उत्तर का प्रारम्भ नए पृष्ठ से कीजिए। उत्तर-पुस्तिका हेतु A-4 साइज़ के कागज़ों का प्रयोग करें। कार्य सम्पन्नोपरांत उन कागज़ों को भली प्रकार नत्थी कर लीजिए। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि अपनी उत्तर-पुस्तिका की सुरक्षित प्रस्तुति हेतु वे संबंधित कागज़ों को स्पाइरल बाइंडिंग करा लें।

04. उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के शीर्ष भाग पर सर्वोपरि दूर शिक्षा निदेशालय, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा का नाम एवं पूर्ण पता लिखिए।

05. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, अध्ययन केंद्र का नाम और पता लिखिए।

06. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के बाएँ सिरे पर पाठ्यक्रम का नाम/कोड, प्रश्न पत्र का नाम और कोड एवं दिनांक अवश्यलिखें।

07. पृष्ठ संख्या अवश्य लिखें।

08. पृष्ठ के दोनों और लिखें।

09. सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जाँच के लिए **अपने अध्ययन केंद्र पर जमा कराएं।**

10. सत्रीय कार्य जमा कराने की **अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2017 है।**

11. अध्ययन केंद्रों को सूचित किया जाता है कि वे 30 अप्रैल 2017 तक सत्रीय कार्य जमा कराना सुनिश्चित करें एवं सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन कर निदेशालय द्वारा प्रेषित निर्धारित मूल्यांकन सूचि में दि – 31/05/2017 तक निदेशालय में प्रेषित करें।

प्रथम पृष्ठ का नमूना

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)

फोन/फैक्स : 07152-247146 वेबसाइट : WWW.hindivishwa.org

.....

नामांकन संख्या:.....

नाम :.....

पता :.....

.....

.....

संपर्क नंबर एवं ई मेल :.....

अध्ययन केंद्र का नाम एवं पता :.....

.....

.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.....

प्रश्न पत्र का नाम एवं कोड :.....

दिनांक :.....

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए.एच.आई/MAHI

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य (Assignment)

प्रश्न पत्र : विश्व इतिहास **प्रश्न पत्र कोड: MAHI-01**

(मध्यकालीन समाज एवं क्रांति का युग) **6×5=30**

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. यूरोप में सामतंवाद की उत्पत्ति और विकास का निरूपण कीजिए।

प्रश्न 2. यूरोप की जनसंख्या में वृद्धि के कारणों का विश्लेषण कीजिए। 14 वीं सदी से यूरोप के देशों में इसने नगरीकरण को किस प्रकार से प्रभावित किया ?

प्रश्न 3. औद्योगिक क्रांति के कारण एवं परिणाम की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 4. नेपोलियन के उत्कर्ष एवं पतन के कारणों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 5. अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम का वर्णन कीजिए एवं इसके परिणामों की व्याख्या कीजिए।

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए.एच.आई/MAHI

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य (Assignment)

प्रश्न पत्र : विश्व इतिहास **प्रश्न पत्र कोड: MAHI-02**

(राष्ट्रवाद, पूँजीवाद एवं समाजवाद-1)

6×5=30

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. जर्मनी के एकीकरण के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 2. 1878 ई. की बर्लिन कांग्रेस के निर्णयों का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

प्रश्न 3. बिस्मार्क की विदेश नीति की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 4. पूर्वी समस्या से आप क्या समझते हैं? इस समस्या ने यूरोपीय राजनीति को किस प्रकार प्रभावित किया।

प्रश्न 5. प्रथम विश्वयुद्ध के कारणों का उल्लेख कीजिए। इस युद्ध के लिए जर्मनी कहाँ तक उत्तरदायी था।

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए.एच.आई/MAHI

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य (Assignment)

प्रश्न पत्र : विश्व इतिहास **प्रश्न पत्र कोड: MAHI-03**

(युद्ध एवं औद्योगिक समाज – 1917-1945)

6×5=30

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. वर्साय की संधि पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. 1921-22 के वाशिंगटन सम्मेलन के कार्यों का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 3. असहयोग व सविनय अवज्ञा आंदोलन का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 4. न्यू डील के गुण दोष बताइए।

प्रश्न 5. अफ्रीका अंध महाद्वीप क्यों कहलाता हैं ? यूरोपीय राष्ट्रों ने अफ्रीका का बंटवारा क्यों और कैसे किया ?

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

एम.ए.एच.आई/MAHI

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य (Assignment)

प्रश्न पत्र : विश्व इतिहास **प्रश्न पत्र कोड: MAHI-04**

(ऐतिहासिक चिंतन) **6×5=30**

नोट – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 1500 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 1. इतिहास का समाज विज्ञान के विभिन्न विषयों के साथ क्या संबंध है?

प्रश्न 2. रॉके के इतिहास-दर्शन की व्याख्या का निश्चयात्मक अभिगम पर रॉके के दर्शन के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 3. युवान-चवांग द्वारा वर्णित भारत राजनैतिक, प्रशासनिक एवं धार्मिक स्थितियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 4. आर्थिक शोषण (ईकोनामी ट्रेन) से आप क्या समझते हैं ? इस पर आर.सी. दत्त और दादाभाई नौरोजी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. मार्क्सवादी इतिहास लेखकों का भारतीय इतिहास लेखन में क्या योगदान है ?